मगाराम बनाम चम्पा
2016/00207
निर्णय दिनांकः—15.07.2025

सत्यमेव जयते

न्यायालय

सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

धोरीमन्ना—बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी —भागीरथराम आर.ए.एस.)

वाद संख्याः—75/2016 दर्ज तिथिः—05.10.2016

1. मगाराम पुत्र तिलोकाराम
2. सायरों देवी पत्नी मगाराम
   जाति जाट निवासी कुण्डावा, तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर

.................वादी

बनाम

1. चम्पा पुत्र हेमा फौत के कायम मुकाम
   1/1 हंजारी पुत्र हेमा
2. लीला पुत्री रूपा
3. अणसी पुत्री रूपा
   जाति वजीर निवासी कुण्डावा, तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर

.................असल प्रतिवादीगण

4. तहसीलदार धोरीमन्ना

.................तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता
वादीगणः—श्री ओमप्रकाश विश्नोई
प्रतिवादीः— श्री जेठाराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा—53,188
राजस्थान काश्त0 अधिनियम—1955

—:निर्णयः—

निर्णय तिथिः—15.07.2025

1. आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा—53,188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम—1955 का बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेश हुआ है। प्रकरण का सूक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि वादी की ओर से वाद पत्र अन्तर्गत धारा—53,188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम—1955 बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के तहत पे[illegible] कि संयुक्त आराजी हाल खसरा संख्या 291/16.3169 है0, वाके ग्राम [illegible] पटवार हल्का लोहारवा तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर [illegible] संयुक्त आराजी वादी एवं प्रतिवादीगण असल की शामलाती कब्जे काश्त [illegible]दारी की आराजी है [illegible] संयुक्त आराजी में वादीगण तथा प्रतिवादीगण[illegible] हिस्सामुताबिक राजस्व [illegible] जमाबंदी दर्ज है। यह विवादित आराजी अविभाजित है जिसका राजस्व रिकार्ड में अभी तक विधिक तकासमा नहीं हुआ है। असल प्रतिवादीगण वादी की उक्त हिस्सा आराजी के कृषि काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करते हैं एवं जबरन लठ के बल कब्जा कर वादी को अपने हिस्सा आराजी से बेदखल कर निर्माण कार्य, दीगर

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.09.29 14:12:12 IST
Reason: SelfAttested

सहायक कलक्टर
SDO धोरीमन्ना

लोगों रहन बैय मुन्तकिल करना चाहते है। अंत में वाद पत्र में उक्त विवादित आराजीयात का पक्षकारान के मध्य विधिक तकारामा किया जाकर कुर्रेजात कायम कराया जाकर अलग से खाता कायम कराया जाकर सहखातेदारों के लिए रास्ता कायम किया जाकर तकसीम शुदा आराजी का अमल राजस्व रिकॉर्ड में कराया जाकर वादीगण को तकसीम शुदा आराजी पर दखल दिलाया जाने का निवेदन किया गया।

2. वाद पत्रदर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। प्रतिवादी संख्या 1 लगातय 3 हाजा न्यायालय में असालतन—वकालतन उपस्थित हुए। प्रतिवादी को जवाब हेतु अनेक अवसर दिये जाने के बावजूद जवाब पेश नहीं करने पर प्रतिवादी जवाब बन्द किया जाकर पत्रावली वास्ते वादी साक्ष्य नियत की गई। पत्रावीली में वादी द्वारा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सीधे बहस का निवेदन किया गया । तत्पश्चात पत्रावली बहस हेतु नियत होने तथा वादी वकील द्वारा जमाबंदी में दर्ज हिस्सा अनुसार विभाजन किये जाने के निवेदन पर वादी का वाद प्रारंभिक रूप से स्वीकार किया जाकर वाद प्राथमिक डिक्री किया जाकर दिनांक 17.12.2024 को प्रारम्भिक निर्णय व पर्चा डिकी जारी किया गया। जिस पर भू—धारक तहसीलदार धोरीमन्ना द्वारा अपने पत्रांक/भू.अ./2025/1709 दिनांक 07.07.2025 द्वारा विभाजन प्रस्ताव/कुर्रेजात रिपोर्ट प्रस्तुत किया। अभिभाषकगण वादी की बहस सुनी गई। उक्त कुर्रेजात रिपोर्ट पर अभिभाषक वादी द्वारा कोई आपति नहीं होने का कथन किये जाने पर प्रकरण में अंतिम बहस सुनी गई। तहसीलदार धोरीमन्ना द्वारा अपने भू.अ./2025/1709 दिनांक 07.07.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम—1955 के नियम—18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:—

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields. *- The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.*	प्रकरण में दिनांक 04.07.2025 को तहसीलदार धोरीमन्ना द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपॉर्ट तैयार की गई।
प्रकरण में पक्षकारो को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपॉर्ट तैयार की गई।	1. प्रकरण में वादी व समस्त प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील धोरीमन्ना के [illegible] दिनांक 20.02.2025 द्वारा मौका निरीक्षण [illegible] 04.07.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया [illegible] शामिल करवाये गए। समस्त पक्षकार [illegible] पर उपस्थित रहे। उभयपक्षकारान की उपस्थिति में मौका रिपॉर्ट तैयार की गई।

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.09.29 14:12:12 IST
Reason: SelfAttested

सहायक कलक्टर
SDO धोरीमन्ना

3. प्रकरण में वादीगण द्वारा कुर्रेजात रिपोर्ट पर दी गई सहमति एवं बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2070–2073 तथा कुर्रेजात रिपोर्ट का ध्यानपर्वूक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण हाल आराजी खसरा संख्या 291/16.3169 है0, वाके ग्राम कुण्डावा पटवार हल्का लोहारवा तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादी एवं असल प्रतिवादीगण की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादीगण तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है। उक्त विवादित आराजीयात अविभाजित है एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। पक्षकार की कुर्रेजात रिपोर्ट पर सहमति को ध्यान में रखते हुए पक्षकारान के मध्य उक्त विवादित आराजीयात् का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है। अतः दावा वादीगण मुताबिक विभाजन–प्रस्ताव (कुर्रेजात रिपोर्ट) मय नक्शा– ट्रेस के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।

4. प्रकरण में वादी द्वारातकसीम आराजी के साथ–साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। स्थाई निषेधाज्ञा में तीन महत्वपूर्ण बिन्दु है जो इस प्रकार हैः–

प्रथम– स्वामित्व एवं कब्जाः– प्रकरण के बाद तकसीम पृथक–पृथक खाते का इन्द्राज राजस्व रिकॉर्ड में किया जावेगा। बाद में तकसीम हाल सह काश्तकार पृथक–पृथक खाते में दर्ज होकर खाते की आराजी के एकल खातेदार घोषित होते हैं। प्रकरण में भी इसी प्रकार हाल सह– काश्तकार पृथक–पृथक खाते में दर्ज होकर खाते की आराजी के एकल खातेदार घोषित किये गये हैं। अतः अपने खाते की आराजी का संबंधित काश्तकार कब्जा व स्वामित्व रखते हुये खातेदार है। अतः प्रथम शर्त पुष्ट होती है।

द्वितीय– सुविधा का सन्तुलनः– प्रकरण में बाद तकसीम पृथक–पृथक खाते का इन्द्राज राजस्व रिकॉर्ड में किया जावेगा। बाद में तकसीम हाल सह काश्तकार पृथक–पृथक खाते में दर्ज होकर खाते की आराजी के एकल खातेदार घोषित होते हैं। प्रकरण में इसी प्रकार हाल सह काश्तकार पृथक–पृथक खाते दर्ज होकर खाते की आराजी के एकल खातेदार घोषित किये गये है। जब खातेदार एकल खातेदार हैं एवं किसी अन्य व्यक्ति का खातेदार की आराजी पर कोई अधिकार नहीं है तो बेशक सुविधा का सन्तुलन भी एकल खातेदार के पक्ष में स्पष्ट है।

तृतीय– अपूरणीय क्षतिः– प्रकरण में बाद तकसीम पृथक–पृथक खातें का इन्द्राज राजस्व रिकॉर्ड में किया जावेगा। बाद तकसीम हाल सह काश्तकार पृथक–पृथक खाते में दर्ज होकर खाते की आराजी के एकल खातेदार घोषित होते हैं। प्रकरण में भी इसी प्रकार हाल सह काश्तकार पृथक–पृथक खाते में दर्ज होकर खाते की आराजी के एकल खातेदार घोषित किये गये हैं। खातेदार एकल खातेदार है एवं किसी अन्य व्यक्ति का खातेदार की आराजी पर कोई अधिकार नहीं है तो एक खातेदार को कोई दीगर व्यक्ति खातेदारी आराजी से बेदखल करने या आमद–रफत में मजाहमत उत्पन्न करे तो बेशक खातेदार को अपूरणीय क्षति स्पष्ट है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.09.29 14:12:12 IST
Reason: SelfAttested

5. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक–पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास नहीं करने एवं आमद रफत में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

सहायक कलक्टर
SDO धोरीमन्ना

आदेश है कि

दावा वादीगण अन्तर्गत धारा–53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम–1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या 291/16.3169 है0, वाके ग्राम कुण्डावा पटवार हल्का लोहारवा तहसील धोरीमन्ना तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा–ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग–अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार धोरीमन्ना को दिये जाते हैं।

क्र. स.	खातेदार	हिस्सा	खसरा	रकबा	किस्म	लगान	बरंग
1	मगाराम पुत्र तिलोकाराम सायरों पत्नी मगाराम जाति जाट सा.देह	24173/30216 6043/30216	291	9.0648	बा.सो.	2.72	केसरिया
			1	9.0648	बा.सो.	2.72	
2.	हंजारीराम पुत्र हेमाराम अणसी पुत्री रूपाराम लीला पुत्री रूपाराम कौम वजीर सा.देह खातेदार	54393/72521 9064/72521 9064/72521	291	7.2521	बा.सो.	2.18	नीला
			1	7.2521	बा.सो.	2.18	

उक्तानुसार पक्षकारान अपने–अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक–पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शक्ल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रेजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार धोरीमन्ना को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना–अपना वहन करेगें।

यह निर्णय आज दिनांक 15.07.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(भागीरथराम आर.ए.एस.)
सहायक कलक्टर
धोरीमन्ना–बाड़मेर

सहायक कलक्टर
SDO धोरीमन्ना

Signature Not Verified

Digitally signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.09.29 14:12:12 IST
Reason: SelfAttested

न्यायालय
सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी
धोरीमन्ना–बाड़मेर
(पीठासीन अधिकारी –भागीरथराम आर.ए.एस.)

वाद संख्याः–75 / 2016 — दर्ज तिथिः–05.10.2016

1. मगाराम पुत्र तिलोकाराम
2. सायरों देवी पत्नी मगाराम
   जाति जाट निवासी कुण्डावा, तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर

.................वादी

बनाम

1. चम्पा पुत्र हेमा फौत के कायम मुकाम
   1 / 1 हंजारी पुत्र हेमा
2. लीला पुत्री रूपा
3. अणसी पुत्री रूपा
   जाति वजीर निवासी कुण्डावा, तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर

.................असल प्रतिवादीगण

4. तहसीलदार धोरीमन्ना

..................तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता
वादीगणः–श्री ओमप्रकाश विश्नोई
प्रतिवादीः– श्री जेठाराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा–53,188
राजस्थान काश्त0 अधिनियम–1955

–ःपर्चा डिक्रीः–

दावा वादीगण अन्तर्गत धारा–53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम–1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या 291 / 16.3169 है0, वाके ग्राम कुण्डावा पटवार हल्का लोहारवा तहसील धोरीमन्ना तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर [illegible] मय नक्शा–ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा [illegible] किया जाता है। पक्षकारान के मध्य [illegible] कायम करते हुए अलग–अलग खाता [illegible] दर्ज किये [illegible] के आदेश तहसीलदार धोरीमन्ना को दिये जाते है।

Signature Not Verified
Digitally Signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.09.29 14:12:12 IST
Reason: SelfAttested

क्र. स.	खातेदार	हिस्सा	खसरा	रकबा	किस्म	लगान	बरंग
1	मगाराम पुत्र तिलोकाराम सायरों पत्नी मगाराम जाति जाट सा.देह	24173 / 30216 6043 / 30216	291 1	9.0648 9.0648	बा.सो. बा.सो.	2.72 2.72	केसरिया

सहायक कलक्टर
SDO धोरीमन्ना

2.	हंजारीराम पुत्र हेमाराम अणसी पुत्री रूपाराम लीला पुत्री रूपाराम कौम वजीर सा.देह खातेदार	54393/72521 9064/72521 9064/72521	291 1	7.2521 7.2521	बा.सो. बा.सो.	2.18 2.18	नीला

उक्तानुसार पक्षकारान अपने–अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक–पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शक्ल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रेजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना–अपना वहन करेगें।

यह डिक्री आज दिनांक 15.07.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

15/7/2025

(भागीरथराम आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
धोरीमन्ना–बाड़मेर

Signature Not Verified

Digitally signed by Bhagirath Ram Bishnoi
Date: 2025.09.29 14:12:12 IST
Reason: SelfAttested